

## सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

## सत्संग परिचय - २

रविवार, १५ जुलाई, २००७

समय : दौपहर २.०० से ४.१५

कुल अंक : ७५

वर्गखंड में उपस्थित परीक्षार्थी स्वयं ही अपना विवरणयुक्त स्टीकर लगाएँ। बिना स्टीकर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं रहेगी।



इस कोष्ठक में  
परिचय-२ ( हिन्दी )  
का स्टीकर लगाएँ।

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर स्टीकर लगाने का नहीं है।

☞ परीक्षार्थी की विवरणयुक्त स्टीकर पर बारकोड अंकित किया गया है। कृपिया उस पर किसी प्रकार का नुकशान मत किजिए।

निम्न जानकारी परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी की उम्र .....

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी द्वारा लगाएँ गए स्टीकर तथा उपरोक्त विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्गसुपरवाइज़र हस्ताक्षर करें।

वर्गसुपरवाइज़र के हस्ताक्षर .....

☞ पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें।

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर ( गुण )	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (५)	
	६ (८)	

विभाग-१, कुल गुण

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर ( गुण )	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (६)	
	९ (५)	
	१० (५)	
	११ (६)	
	१२ (६)	

विभाग-२, कुल गुण

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

मोडरेशन विभाग माटे ४

गुण शब्दोंमां .....  
चेकर - नाम

### विभाग - १ : किशोर सत्संग परिचय

प्र. १ निम्नलिखित विधान कौन, किसको और कब कहता है यह लिखिए । ( कुल गुण : ९ )

१. “हम अक्षरपुरुषोत्तम के लिए सबकुछ छोड़कर साधु बने हैं और उसके लिए समस्त कष्टों को सहन करते हैं ।”

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

गुण : ३	
---------	--

२. “कृपया यह स्वर्ण ले जाओ और यह मेरी ओर से भगवान स्वामिनारायण को अर्पित कर देना ।”

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

गुण : ३	
---------	--

३. “हम मान पाने के लिए साधु कहाँ हुए हैं ।”

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

गुण : ३	
---------	--

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक    केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. २ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए । ( दो से तीन पंक्ति में ) ( कुल गुण : ६ )

१. गोरधनभाई महाराज को पेड़े खिलाने के बदले खुद ही खाने लगे ।

.....

.....

.....

.....

गुण : २	
---------	--

२. गुंदाली गाँव के काठी भाईयों का मुक्तानन्द स्वामी जैसा कल्याण हुआ ।

.....

.....

.....

.....

गुण : २	
---------	--



सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-३	प्र-४
----------------------------------	-------------	-------

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक    केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. गुरु की अवज्ञा करने से क्या होता है ?

गुण : १

.....

२. अरदेशर कोटवाल ने कठिनाई में क्या प्रार्थना की ?

गुण : १

.....

३. विश्वरूप देखने की जिज्ञासा किसे हुई ?

गुण : १

.....

४. श्रीजीमहाराज ने डभाण के महायज्ञ किसके नाम से किए थे ?

गुण : १

.....

५. श्रीजीमहाराज ने किसका गर्व गलवाया ?

गुण : १

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक    केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ५ विषय के मार्ग में अंधा..... - 'स्वामी की बातें' पूर्ण करके विवरण लिखिए । अथवा  
वचनामृत गढ़डा प्रथम प्रकरण - १६ का विवरण लिखिए । (कुल गुण : ५)

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....



३. भवसंभव .....  
 .....  
 .....  
 ..... भजे सदा ॥ गुण : २

४. गुणिनां गुणवत्ताया.....विदोऽप्यधः ॥ - श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।  
 .....  
 .....  
 ..... गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

**विभाग - २ : प्रागजी भक्त**

प्र. ७ निम्नलिखित विधान कौन, किसको और कब कहता है यह लिखिए । ( कुल गुण : ९ )

१. “यह तो भगवान स्वामिनारायण ने सिर पर हाथ फेरा है, मैंने नहीं ।”  
 कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....  
 कब कहता है ? .....  
 ..... गुण : ३

२. “आपने उसकी सेवाओं का फल दिया है ।”  
 कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....  
 कब कहता है ? .....  
 ..... गुण : ३

३. “स्वामी ! क्या यह ज्ञान मुझे दे सकते हैं ?”  
 कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....  
 कब कहता है ? .....  
 ..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ८ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए । ( दो से तीन पंक्ति में ) ( कुल गुण : ६ )

१. प्रागजी भक्त ने धन का वरदान स्वीकार नहीं किया ।  
 .....  
 .....







सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१०	प्र-११	प्र-१२
----------------------------------	--------------	--------	--------

५. गुणातीतानन्द स्वामी ने प्रागजी भक्त को किसकी सेवा करने के लिए कहा ?

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। (कुल गुण : ६)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. यज्ञपुरुषदास ने जूनागढ़ में भगतजी का भव्य स्वागत कब करवाया ?

गुण : २

(१)  सं. १९५३ (२)  फाल्गुन शुक्ला पूर्णिमा। (३)  सं. १९५२ (४)  जन्माष्टमी।

२. भगतजी के अन्तिम दर्शन के लिए कौन हाजिर थे ?

गुण : २

(१)  यज्ञपुरुषदासजी (२)  जागा स्वामी (३)  जेठा भगत (४)  विज्ञानदासजी

३. संतत्व की कला अर्थात् क्या ?

गुण : २

(१)  मान-अपमान में समता। (२)  किसीका अभाव नहीं।

(३)  वृत्ति से आत्माकार होकर अखंड श्रीजी की मूर्ति में रहे। (४)  नियम-धर्म दृढ़ रहे।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१२ निम्नलिखित वाक्यों में से सही और गलत वाक्य बताकर गलत वाक्यों को सुधारकर फिर से लिखिए। (कुल गुण : ६)

१. गुणातीतानन्द स्वामी ने जूनागढ़ मन्दिर की कुंचिया प्रागजी भक्त को दी।

गुण : १

२. जूनागढ़ से निकलते वक्त गुणातीतानन्द स्वामी बोले, “अब गाँव-गाँव हरिभक्तों के साथ सत्संग करूँगा और गोंडल जाकर रहूँगा।”

गुण : १

३. भगतजी महाराज और यज्ञपुरुषदासजी का प्रथम मिलन सुरत में हुआ।

गुण : १

४. भगतजी महाराज ने यज्ञपुरुषदास को पढ़ाई के लिए काशी जाने की आज्ञा दी।

गुण : १

५. धर्म ज्ञान का आधार है। ज्ञान से विवेक आता है और वैराग्य प्रगट होता है।

गुण : १

६. गुणीजन गुणकुं नव तजे, अवगुण न तजे गुलाम।

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें